

13 hrs.

STATEMENT RE: REVISION OF SCALES
OF PAY AND ALLOWANCES OF
EMPLOYEES OF UNION
TERRITORIES

MR. SPEAKER : Regarding the statement by Shri Vidya Charan Shukla, it will be made in the evening. I have postponed it to 7 p. m.

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(SHRI K. S. RAMASWAMY) I can
make the statement just now.

MR. SPEAKER : He can lay it on the
Table of the House.

SOME HON. MEMBERS : No, it
should be read out.

SHRI K. S. RAMASWAMY ; Sir,
on behalf of Shri Shukla I made the
following statement. Previously it had
been the policy of the Government of
India to prescribe scales of pay and
allowances in the Union Territories
mentioned below and NEFA on the
basis of the scales obtaining for
corresponding posts in the adjoining
States mentioned against them:—

(i) Himachal Pradesh (excluding Secretariat)	Punjab.
(ii) Mani pur	Assam.
(iii) Tripura	West Bengal.
(iv) Pondi cherry	Tamil Nadu.
(v) Dadra and Nagar Haveli	Gujarat.
(vi) Chandigarh	Punjab.
(vii) N. E. F. A.	Assam.

The scales of pay and allowances of
the employees of the Union Territories
of Delhi, Goa, Daman and Diu, Andamans
and Nicobar islands and Laccadive,
Aminidiol and Minicoy islands were
however, based on the Central patterns
of pay and allowances. The policy of
prescribing scales of pay and allowances
for the employees of all the Union

Territories and NEFA has been reviewed
by the Government and it has now been
decided to adopt Central patterns of pay
and allowances for the employees of all
the Union Territories and NEFA with
effect from 6th March 1970.

SOME HON. MEMBERS—*rose.*

MR. SPEAKER : No, questions are
allowed on this as per our procedure.

SHRI HEM RAJ (Kangra) : This
is a very important matter. The work
of Government in Himachal Pradesh is
going to come to a stop...

MR. SPEAKER ; I am surprised even
a senior and old member like Shri Hem
Raj should get up and interrupt like
this. I am quite clear that according to
the rules, no questions can be put after
the statement. I cannot depart from
this procedure. But I can accommodate
him by allowing a half an hour discussion,
if he likes.

श्री प्रेमचन्द वर्मा (हमीरपुर) : अध्यक्ष
महोदय, जरा मेरी बात ता आप मुन लीजिये।

MR. SPEAKER ; Otherwise, I will
not allow this much also.

श्री प्रेमचन्द वर्मा : मेरा प्वाइंट आफ
आर्डर है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह
जो स्टेटमेंट है सारे का सारा वह हिमाचल
प्रदेश के लोगों का बिलकुल मंजूर नहीं है।
यह उन के साथ ज्यादाती हो रही कि उनको
पंजाब के प्रेडस नहीं दिये जा रहे हैं।

श्री हेमराज : तब फिर हम वाक—आउट
करते हैं।

श्री प्रेमचन्द वर्मा : हमारे साथ ज्यादाती है।
इसलिये मैं भी वाक आउट करता हूँ।

*Shri Hem Raj and some other Hon. Members
then left the House.*

MR. SPEAKER : Shri Maharaj Singh
Bharati will continue his speech after
the lunch recess.

13.04 hrs.

*The Lok Sabha adjourned for Lunch till
Fourteen of the Clock.*

*The Lok Sabha re-assembled after Lunch
at five minutes past Fourteen of the Clock.*

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair.]

RE: STRIKE IN PATNA UNIVERSITY

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Shri Maharaj Sing Bharati.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : मेरा एक निवेदन है। पटना यूनिवर्सिटी बन्द कर दी गई है। वहाँ के कर्मचारी पिछली पांच तारीख से हड़ताल पर हैं। बिहार गवर्नमेंट ने कांशिश की है कि उसका कोई रास्ता निकले लेकिन कोई रास्ता अभी तक नहीं निकल सका। मैं प्रार्थना करता हूँ कि शिक्षा मंत्री महादय इस सिलसिले में एक बयान दें और कांशिश करके, हस्तक्षेप करके मामले को तय करें। अगर उन्होंने ऐसा किया तो उनकी मांगों पर विचार हो सकता है और कोई रास्ता निकल सकता है। विद्यार्थियों की पढ़ाई वहाँ बन्द हो गई है, परीक्षाएँ बन्द हो गई हैं अगर इस ओर ध्यान न दिया गया तो स्थिति और ज्यादा खराब हो जाएगी, ऐसा खतरा है। मैं चाहता हूँ कि शिक्षा मंत्री जी इस बारे में एक स्टेटमेंट सदन में दें।

14.06 hrs.

GENERAL BUDGET 1970-71—GENERAL DISCUSSION—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Maharaj Sing Bharati may now continue his speech.

श्री महाराज सिंह भारती (मेरठ) : विरोधियों की तरफ से जो दो मज्जान कांग्रेस विरोधी और स्वतंत्र पार्टी की तरफ से बोले हैं उन्होंने कहा है कि इस सरकार ने राजस्व को ज्यादा आंका है। मैं नहीं जानता कि किस खयाल से उन्होंने ऐसा कहा है। हो सकता है कि राजस्व कम आंका जाता तो ज्यादा टेक्स लगते। लेकिन

मेरा इलजाम तो ठीक इसके विपरीत है। जब डायरेक्ट और इंडायरेक्ट दोनों प्रकार के टेक्सों की चारों रोकने की बात सरकार करती है और साथ ही साथ बैंकलाग को भ्रच्छी तरह से वसूल करने की बात सरकार करती है तो मेरे खयाल से जितना राजस्व आंका गया है, वह कम है, इससे ज्यादा राजस्व आएगा और इस तरह से जो कुछ जरूरी चीजों पर टेक्स लगे हैं वे घटाये जा सकते थे।

सरकार विरोधी कांग्रेस के नेता ने जो बजट की नुकताचीनी की है उस में उन्होंने कहा है कि उन्हें पुराने बजटों में और इस नए बजट में कोई मौलिक अन्तर नजर नहीं आता। अगर सचमुच दोनों कांग्रेसों को कोई अन्तर नजर नहीं आता तो फिर कुर्सी के झगड़े में वह विरोध में क्यों आ कर बैठ गए हैं ? आराम के साथ उनको उधर चले जाना चाहिये। ऐसा करके कम से कम हमारे हिस्से का जो समय वे ले जाते हैं, वह तो बच सकता है। प्रधान मंत्री से भी मैं कहूँगा कि कोई मौलिक अन्तर नहीं है तो पुचकार कर उनको वह वापिस बुला ले, इस में कोई बुरी बात नहीं है।

स्वतंत्र पार्टी के नेता श्री मसानी ने इस बजट के सिलसिले में कई तरह कि बातें कही। लेकिन आखिर में यह कहा कि यह बजट स्टेट कैपिटलिज्म का बजट है। अगर यह मामूली छोटा बजट कम्युनिज्म का बजट हो गया तो कल को अगर कोई सचमुच समाजवादी बजट आ गया तो मसानी साहाब क्या करेंगे। मैं आशा नहीं करता था मसानी साहाब जैसे आदमी से कि इतने छोटे से बजट को देख कर वह दुनिया के एक महान लैनिन जैम आदमी को नीचे स्तर पर उतर कर गाली देंगे। अगर कल को कोई समाजवादी बजट आ गया तो फिर वह क्या करेंगे ? क्या अपने कपड़े फाड़ेंगे, आगरे जायेंगे, क्या करेंगे ? यह आशा उनसे नहीं की जा सकती थी। जब कोई योगी भ्रष्ट होता है तो वह गृहस्थियों से बहुत घटिया साबिन होता है। इसी तरह में जब कोई समाजवादी भ्रष्ट